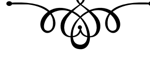
श्रीकालान्तकाष्टकम्

shrIkAlAntakAShTakam

sanskritdocuments.org

November 10, 2018

shrIkAlAntakAShTakam



श्रीकालान्तकाष्टकम्

Sanskrit Document Information

Text title : kAlAntakAShTakam

File name : kAlAntakAShTakam.itx

Category : aShTaka, shiva, sachchidAnanda-shivAbhinava-nRisiMhabhAratI

Location : doc_shiva

Author : sachchidAnanda-shivAbhinava-nRisiMhabhAratI

Proofread by : PSA Easwaran psaeaswaran at gmail.com

Description-comments : Brihatstotraratnakara 1, Narayana Ram Acharya, Nirnayasagar, stotrasankhyA 211

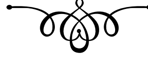
Latest update : November 7, 2018

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

November 10, 2018

sanskritdocuments.org

श्रीकालान्तकाष्टकम्



(श्रीगरलपुरे)
श्रीगणेशाय नमः ॥

कमलापतिमुखसुरवरपूजित काकोलभासितग्रीव ।
काकोदरपतिभूषण कालान्तक पाहि पार्वतीनाथ ॥ १॥

कमलाभिमानवारणदक्षाङ्घ्रे विमलशेमुषीदायिन् ।
नतकामितफलदायक कालान्तक पाहि पार्वतीनाथ ॥ २॥

करुणासागर शम्भो शरणागतलोकरक्षणधुरीण ।
कारण समस्तजगतां कालान्तक पाहि पार्वतीनाथ ॥ ३॥

प्रणतार्तिहरणदक्ष प्रणवप्रतिपाद्य पर्वतावास ।
प्रणमामि तव पदाब्जे कालान्तक पाहि पार्वतीनाथ ॥ ४॥

मन्दार नतजनानां वृन्दारकवृन्दगेयसुचरित्र ।
मुनिपुत्रमृत्युहारिन् कालान्तक पाहि पार्वतीनाथ ॥ ५॥

मारारण्यदवानल मायावारीन्द्रकुम्भसञ्जात ।
मातङ्गचर्मवासः कालान्तक पाहि पार्वतीनाथ ॥ ६॥

मोहान्धकारभानो मोदितगिरिजामनःसरोजात ।
मोक्षप्रद प्रणमतां कालान्तक पाहि पार्वतीनाथ ॥ ७॥

विद्यानायक मह्यं विद्यां दत्त्वा निवार्य चाविद्याम् ।
विद्याधरादिसेवित कालान्तक पाहि पार्वतीनाथ ॥ ८॥

कालान्तकाष्टकमिदं पठति जनो यः कृतादरो लोके ।
कालान्तकप्रसादात्कालकृता भीर्न सम्भवेत्तस्य ॥ ९॥

इति शृङ्गेरि श्रीजगद्गुरु श्रीसच्चिदानन्दशिवाभिनवनृसिंह-
भारतीस्वामिभिः विरचितं श्रीकालान्तकाष्टकं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by PSA Easwaran psaeaswaran at gmail.com

shrIkAlAntakAShTakam

pdf was typeset on November 10, 2018

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*

